कैलाश मानसरोवर यात्रा को जोड़ने वाले भू-रणनीतिक दर्रे

स्रोत: द हिंदू

भारत ने **कैलाश मानसरोवर यात्रा (KMY)** की पुनः शुरुआत की घोषणा की, जो वर्ष 2020 में चीन द्वारा**कोविड-19** और **वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC)** तनाव के कारण 5 वर्ष के लिये रोक दी गई थी। KMY वर्ष 1981 से संचालन में है।

- **KMY: KMY विदेश मंत्रालय (भारत) द्वारा चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र (TAR) में कैलाश पर्वत (6,638 मीटर) और मानसरोवर झील (4,600 मीटर)** के लिये आयोजित एक तीर्थयात्रा है।
- **आधिकारिक परिचालन मार्ग (वर्ष 2025 तक):**
    - **लिपुलेख दर्रा (उत्तराखंड):** यह **मानसरोवर (सीमा से 50 किमी)** जाने का सबसे छोटा मार्ग है, लेकिन कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण इसकी यात्रा 200 किमी तक हो जाती है।
        - यह **वर्ष 1992 में चीन के साथ व्यापार के लिये खोली गई पहली भारतीय सीमा चौकी था,** इसके बाद **शिपकी ला (1994) और नाथू ला (2006) खोली गई।**
- **नाथू ला दर्रा (सिक्किम):** 1,500 किमी. का यह पूर्णतः वाहन योग्य मार्ग (यह विश्व की सबसे ऊंची वाहन योग्य सड़कों में से एक है) 2015 में खोला गया; तीर्थयात्रियों के लिए आसान है, इसमें चढ़ाई की आवश्यकता नहीं है।
    - **नाथू ला दर्रा (सिक्किम):** यह 1,500 किमी. का पूर्णतः मोटर वाहन योग्य मार्ग है (यह विश्व की सबसे ऊँचे मोटर वाहन योग्य सड़कों में से एक है) जिसे वर्ष 2015 में तीर्थयात्रियों के लिये खोल दिया गया है तथा इसमें पैदल यात्रा/ट्रैकिंग की आवश्यकता नहीं है।
        - नाथू ला **सिक्किम को चीन के TAR से जोड़ता है** और प्राचीन सिल्क रोड का हिस्सा है।
- **कैलाश पर्वत: कैलाश पर्वत, तिब्बत में स्थित एक हीरे के आकार की काले रंग की शिला शिखिर, हिंदू, बौद्ध, जैन और बोन धर्मों के लिये पवित्र है** तथा यह प्रमुख एशियाई नदियों जैसे **ब्रह्मपुत्र, सतलुज, सिंधु एवं करणाली** का स्रोत है।

भारत में प्रमुख दर्रे

तथ्य

- पूर्वी लद्दाख में स्थित **उमलिंग ला दर्रा** हाल ही में विश्व का सबसे ऊँचा मोटरेबल दर्रा बन गया है (प्रोजेक्ट हिमांक)।
- **लिपु लेख दर्रा उत्तराखंड (भारत), चीन और नेपाल के ट्राई जंक्शन** के निकट स्थित है।
- **नाथू ला** (सिक्किम) **भारत-तिब्बत सीमा** पर स्थित है। यह भारत और चीन के बीच तीन खुले व्यापारिक दर्रों में से एक है (अन्य दो दर्रे - **शिपकी ला और लिपु लेख**)।
- सिक्किम में स्थित **नाकू ला दर्रा** हाल ही में LAC **पर भारत-चीन गतिरोध** के कारण खबरों में था।
- **जोजिला दर्रा** लेह को श्रीनगर से जोड़ता है और इसे "Mountain Pass of Blizzards", अर्थात् बर्फीले तूफानों के पर्वतीय दर्रे के रूप में जाना जाता है। जोजिला सुरंग **एशिया की सबसे लंबी** सुरंग है।
- **डुंगरी ला (या माना) दर्रा** भारत और तिब्बत को जोड़ता है। यह जांस्कर पर्वत श्रृंखला (उत्तराखंड) के **नंदा देवी बायोस्फीयर रिज़र्व में स्थित** है। यहाँ तक कि भारतीय नागरिकों को भी इस दर्रे से **यात्रा करने के लिये सेना से पूर्व अनुमति लेने की आवश्यकता** होती है।
- **रोहतांग दर्रा** (हिमाचल प्रदेश) महान हिमालय की **पीर पंजाल श्रेणी** में स्थित है और **कुल्लू घाटी को लाहौल तथा स्पीति घाटियों से जोड़ता है**।
- **पश्चिमी घाट का सबसे बड़ा दर्रा तमिलनाडु से सटे केरल के पलक्कड़ (या पाल घाट) में है।**

Drishti IAS

और पढ़ें: [कैलाश मानसरोवर यात्रा]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/geostrategic-passes-connecting-kailash-mansarovar-yatra